विश्व हिन्दी परिषद

द्वारा आयोजित

अंतरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन

21-22 नवंबर, 2025

विज्ञान भवन, नई दिल्ली

“राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पं. दीनदयाल उपाध्याय”

विश्व हिंदी परिषद द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रुप में लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता जी ने दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान गृह राज्यमंत्री श्री अजय कुमार मिश्र जी ने की। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रुप में विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भारतीय सह अभिलेखागार प्रमुख श्री अजेय जी, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य-सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र जी, सम्मेलन के मुख्य संयोजक एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी तथा सम्मेलन संयोजक एवं हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. रामनारायण पटेल जी उपस्थित रहे।

।।ॐ।।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

प्रधान कार्यालय : डॉ. हेडगेवार भवन, महाल नागपुर. 440 032

दूरभाष : 0712 – 2723003. Email- sachivalay@sanghngp.org.in

सरसंघचालक : मोहन भागवत | सरकार्यवाह : दत्तात्रेय होसबाले

कार्तिक कृ.04 युगाब्द 5127 | 08.11.2025

विश्व आज विभिन्न समस्याओं से ग्रसित है। वर्चस्व के लिए युद्ध, पर्यावरण असंतुलन, तीव्र व्यापार स्पर्धा आदि संघर्षों से दुःखी जगत को मानवता की शिक्षा प्रदान करने वाले कारुण्य ऋषि, भारतीय सभ्यता संस्कृति के चिर उन्नायक पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन तथा उनके द्वारा प्रतिपादित मानव कल्याण का श्रेष्ठ विचार अर्थात एकात्म मानव दर्शन पर केंद्रित 'राष्ट्रीय और मानवता के प्रतीक पं. दीनदयाल उपाध्याय' इस विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्व हिन्दी परिषद द्वारा हो रहा है यह समयोचित, स्वागत योग्य शुभ समाचार है।

पाश्चात्य विचार धाराओं में 'व्यक्ति उतनी प्रकृति' इस वास्तविकता को भुलाकर मानव का विचार सीधा-सीधा एक ही मापदण्ड से किया जाता है। इसलिए इन विचारधाराओं पर बनी व्यवस्थाएं अपूर्ण और अधुरी है। विकास के लिए व्यवस्थाएं बनाते समय शरीर-मन-बुद्धि-आत्मा युक्त, विविध भाव भावना व इच्छाओं को धारण करने वाले चतुर्विध पुरुषार्थी मानव का विचार ही सर्वजन हिताय सिद्ध होगा।

एकात्म मानव दर्शन भारत तथा भारतबाह्य सब विचारधाराओं का सम्यक आकलन कर उनकी क्षमता और दुर्बलता को ध्यान में रखकर एक नया पथ प्रदर्शित करने में निश्चय ही समर्थ है।

इस अतंरराष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागी विद्वान, चिंतक, शिक्षक, संशोधक, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधकर्ताओं के विचारमंथन से विश्व कल्याण का पाथेय मिलेगा एवं अमृतमय ऐसे पाथेय को पाकर पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय का सपना अपना समझकर सभी नित्य कार्यरत रहेंगे इस विश्वास के साथ सम्मलेन की संपूर्ण सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। स्मारिका प्रकाशन में सहभागी कार्यकर्ता गण का हार्दिक अभिनंदन।

मोहन भागवत

भारत की वर्तमान सरकार दीनदयाल जी के एकात्म दर्शन को ध्येय मानकर मानवता और राष्ट्रसेवा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

- श्री कविंद्र गुप्ता, माननीय उप राज्यपाल, लद्दाख़

पंडित जी को राजनीतिज्ञ से अधिक दार्शनिक के रुप में स्वीकार किया जाता है। मन-वचन-कर्म की शुद्धता को उन्होंने राजनीति की आत्मा माना और मातृभाषाओं के सम्मान हेतु गृहमंत्रालय में भारतीय भाषा विभाग की स्थापना का उल्लेख किया।

- श्री अजय मिश्र टेनी, निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री, भारत सरकार

विश्व हिंदी परिषद द्वारा 21-22 नवंबर, 2025 को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन देश की राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन पं० दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के अवसर पर किया गया। इस सम्मेलन का विषय 'राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक: पं० दीनदयाल उपाध्याय' था। इस सम्मेलन में देश-विदेश से कई विद्वानों, कवियों, साहित्यकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कारवाई। इस अवसर पर लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता जी, निवर्तमान केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री अजय मिश्र टेनी जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री, पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद जी, पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ जेडी(यू) नेता श्री के सी त्यागी, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, प्रकाश ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एंड इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डॉ. वी०एस० चौहान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय अभिलेखागार प्रमुख श्री अजेय जी, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य-सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र जी, सुप्रसिद्ध पत्रकार, एंकर एवं समाजसेवी सुश्री ऋचा अनिरुद्ध, सम्मेलन के मुख्य संयोजक एवं विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी तथा सम्मेलन संयोजक एवं हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. रामनारायण पटेल जी प्रमुख थे तथा अन्य कई विभूतियों ने उपाध्याय जी पर अपने विचार एवं वक्तव्य सामने रखे। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आये शोधार्थीयों, साहित्यकारों ने अपने शोध-पत्रों का वाचन किया। प्रसिद्ध कवियों द्वारा कविता पाठ भी किया गया। शोधार्थीयों, साहित्यकारों को विभिन्न सम्मनों से सम्मानित किया गया। आगामी वर्ष भी ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के आयोजन की कामना करते हुए इस सम्मेलन का समापन किया गया।

मंच से सम्बोधित करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय अभिलेखागार प्रमुख श्री अजेय जी एवं मच पर आसीन मुख्य अतिथि के रुप में उपास्थि श्री कविंद्र गुप्ता, माननीय उप राज्यपाल, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं विश्व हिंदी परिषद के संरक्षक श्री अजय मिश्र टेनी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मभूषण आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद, राष्ट्रीय भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र जी, विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार जी एवं सम्मेलन संयोजक प्रो. रामनारायण पटेल

श्री के०सी० त्यागी
राजनीतिक सलाहकार एवं वरिष्ठ नेता, जद(यू)

श्रीमती रेखा शर्मा
राज्यसभा सांसद, हरियाणा

डॉ. वी० एस० चौहान
अध्यक्ष, प्रकाश ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एंड इंस्टीट्यूट

श्री दुर्गा शंकर मिश्र
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

विदेशों से आए हिंदी प्रेमी विद्वान प्रतिनिधि

श्री गेब्रु टेकले
द्वितीय सचिव, इथियोपिया दूतावास

सुश्री सुनैना मोहन
द्वितीय सचिव, सूरीनाम दूतावास

डॉ० मधु खन्ना
ऑस्ट्रेलिया

डॉ० मयंक जैन
अमेरिका

डॉ० विवेक मणि त्रिपाठी
चीन

डॉ० दुर्गा सिंहा 'उदार'
अमेरिका

डॉ० रमा शर्मा
जापान

डॉ० कादम्बरी शंकर आदेश
अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित रहे कई विद्वान

प्रो. सच्चिदानंद मिश्र
सदस्य सचिव
भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद

श्री बलदेव पुरुषार्थ
संयुक्त सचिव, आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री सुरेश चव्हाणके
अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक,
सुदर्शन न्यूज़

श्री संदीप मारवाह
अध्यक्ष एवं चांसलर
एएएफटी यूनिवर्सिटी ऑफ मीडिया एंड आर्ट्स

प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी
कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,
बिलासपुर

डॉ. महेशचन्द्र शर्मा
अध्यक्ष,
एकात्म मानवदर्शन अनुसन्धान एवं विकास प्रतिष्ठान

प्रो. अजय कुमार भागी
पूर्व ड्यूटा अध्यक्ष,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.

प्रो. बलराम पाणि
अधिष्ठाता, महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.

प्रो. श्रीप्रकाश सिंह
कुलपति,
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय

प्रो. हेमचंद जैन
प्राचार्य, दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. एस.के. सिंह
पूर्व कुलपति,
राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

प्रो. रामनारायण पटेल
प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय एवं सम्मेलन संयोजक

परिषद की हर इकाई से आए प्रतिनिधियों ने लिया भाग

प्रो. अर्जुन चव्हाण
अध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रांत

प्रो. पुरुषोत्तम कुंदे
उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रांत

प्रो. पी० राजरत्नम
अध्यक्ष, तमिलनाडु प्रांत

डॉ. नंदकिशोर साह
राष्ट्रीय समन्वयक, बिहार

डॉ. विजय पाटिल
संयोजक, मध्य प्रदेश प्रांत

डॉ. विक्रमादित्य सिंह
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रांत

श्री ऋचा बनर्जी
अध्यक्ष, दिल्ली प्रांत

डॉ. संगीता सिंह बनाफर
अध्यक्ष- शैक्षिक प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ प्रांत

डॉ. शकुंतला सरुपरिया
राष्ट्रीय समन्वयक, राजस्थान

अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ साहित्यकारों एवं कलाकारों का सम्मान

श्री मलखान सिंह
टीवी कलाकार, भारतीय सिनेमा

श्री दीपक दीवान
फ़िल्म निर्माता, भारतीय सिनेमा

डॉ. कमल किशोर
लेखक एवं साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ संस्थाओ का सम्मान

भारतीय नौवहन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बिनेश कुमार त्यागी को हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड को गृह पत्रिका के लिए हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते इथियोपिया दूतावास से उपस्थित द्वितीय सचिव, श्री गेब्रु टेकले

भारतीय कपास निगम को राजभाषा नीति में श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल को गृह पत्रिका के लिए हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत को हिंदी में हस्ताक्षर के लिए हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित करते इथियोपिया दूतावास से उपस्थित द्वितीय सचिव, श्री गेब्रु टेकले

अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ शिक्षकों का सम्मान

डॉ. योजना कलिया
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. श्रवण कुमार
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. प्रीति तोमर
हिंदी विभाग, जीसस एंड मैरी कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. प्रतिभा राणा
हिंदी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. दीनदयाल
हिंदी विभाग, जानकी देवी महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दीपमाला
हिंदी विभाग, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. ममता
हिंदी विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. शशि रानी
हिंदी विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. मनीष ओझा
हिंदी विभाग, हंसराज कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. शैलजा
हिंदी विभाग, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. भावना मल्होत्रा
हिंदी विभाग, इंद्रप्रस्थ कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डॉ. नम्रता
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

मीडिया में छाया रहा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

दैनिक भास्कर — देश का विश्वसनीय अखबार
नोएडा। वर्ष-16, अंक-158। सोमवार, 24 नवम्बर 2025। कुल पृष्ठ 22। मूल्य 6.00 रूपये
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न, गूँजी दीनदयाल के एकात्म मानववाद की ध्वनि

देश-विदेश से पहुंचे विद्वानों ने राष्ट्रीयता, संस्कृति और हिंदी को दिया वैश्विक आयाम

भास्कर ब्यूरो

नोएडा। विश्व हिंदी परिषद और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान भवन नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर "राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय" विषयक दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भारत सहित कई देशों से आए विद्वानों, भाषाविदों, दार्शनिकों, पत्रकारों, प्रशासकों एवं शोधार्थियों ने एकात्म मानववाद और राष्ट्रवादी चिंतन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता, निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र 'टेनी' तथा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र उपस्थित रहे। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मभूषण आचार्य यर्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद, महासचिव डॉ. विपिन कुमार एवं संयोजक प्रो. रामनारायण पटेल ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. श्रवण कुमार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत का संदेश पढ़ा गया। उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार दीनदयाल जी के एकात्म मानववाद को ध्येय बनाकर राष्ट्रसेवा और मानव कल्याण की दिशा में अग्रसर है। निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र 'टेनी' ने कहा कि पंडित दीनदयाल राजनीति के साथ-साथ भारतीय दर्शन के प्रखर प्रतीक थे और मातृभाषाओं के सम्मान के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण मार्ग प्रशस्त किया। प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने भारत की समरसता और वैश्विक परिवार की अवधारणा को रेखांकित किया, वहीं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने सम्मेलन को हिंदी की विश्वव्यापी स्वीकृति का प्रमाण बताया। दूसरे दिन सम्मेलन आठ सत्रों में आयोजित हुआ, जिसमें एकात्म मानववाद, संस्कृति-दर्शन, हिंदी पत्रकारिता, प्रकृति और जीवन-दर्शन, वैश्विक हिंदी परिदृश्य तथा राष्ट्रवादी चिंतन जैसे विषयों पर विमर्श हुआ। इस दौरान 100 से अधिक शोधकर्ताओं ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के हिंदी सलाहकार डॉ. वी.एस. चौहान शामिल रहे। इथोपिया और सूरीनाम सहित ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान तथा चीन के प्रतिनिधियों ने भी हिंदी के सांस्कृतिक प्रभाव और भारतीय दर्शन की उपयोगिता पर विचार साझा किए। समापन सत्र में हिंदी और दीनदयाल उपाध्याय पर शोधरत विद्वानों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण में परिषद के पदाधिकारी तथा अनेक गणमान्य मौजूद रहे। दो दिवसीय यह सम्मेलन भारतीय सांस्कृतिक दर्शन, भाषाई गौरव, मानवतावादी दृष्टिकोण और राष्ट्रीय चेतना का व्यापक मंच बनकर उभरा। प्रतिभागियों ने एकात्म मानववाद को आधुनिक विश्व के लिए प्रासंगिक मार्गदर्शक बताते हुए हिंदी को वैश्विक विमर्श की प्रमुख भाषा बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

राष्ट्रीय दैनिक — प्रातःकिरण — हर खबर की खबर
वर्ष : 16 ■ अंक : 200 ■ नई दिल्ली, सोमवार, 24 नवम्बर, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में गूँजी पंडित दीनदयाल की एकात्म मानववाद की अनुगूंज

प्रातः किरण संवाददाता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर विश्व हिंदी परिषद और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषय पर विज्ञान भवन, दिल्ली में दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश-विदेश से आए विद्वानों, भाषाविदों, दार्शनिकों, प्रशासकों, पत्रकारों, राजनेताओं एवं शोधार्थियों ने एकात्म मानववाद और राष्ट्रवादी दर्शन के विविध आयामों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता, निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी, और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र उपस्थित रहे। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मभूषण आचार्य यर्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद एवं परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने परिषद का परिचय और सम्मेलन का विवरण प्रस्तुत किया, जबकि सम्मेलन का विषय प्रवर्तन संयोजक प्रो. रामनारायण पटेल ने किया। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दी पी मिश्र ने धन्यवाद एवं राष्ट्रीय समन्वयक डॉ श्रवण कुमार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्रद्धेय श्री मोहन भागवत जी का संदेश पढ़ा। लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की वर्तमान सरकार दीनदयाल जी के एकात्म दर्शन को ध्येय मानकर मानवता और राष्ट्रसेवा में निरंतर आगे बढ़ रही है। निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने कहा कि पंडित जी को राजनीतिज्ञ से अधिक दार्शनिक के रूप में स्वीकार किया जाता है। मनझवचनझकर्म की शुद्धता को उन्होंने राजनीति की आत्मा माना और मातृभाषाओं के सम्मान हेतु गृहमंत्रालय में भारतीय भाषा विभाग की स्थापना का उल्लेख किया।विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मभूषण आचार्य यर्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद ने कहाःझदीनदयाल उपाध्याय वह प्रकाशस्तंभ हैं जो बताते हैं कि राष्ट्र और मानवता एक-दूसरे से अलग नहीं—बल्कि पूरक हैं। प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने भारत की उस महान परंपरा को रेखांकित किया जो संसार को परिवार मानती है और समताझसमरसता में विश्वास रखती है।राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने कहाः झयह सम्मेलन हिंदी की शक्ति और भारत की विचार-धारा की विश्व-व्यापी स्वीकृति का प्रमाण है। सोशल मीडिया और वैश्विक सहभागिता ने इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय विस्तार दिया है। दूसरे दिन सम्मेलन आठ सत्रों में चला। जिनमें—एकात्म मानववाद, हिंदी का वैश्विक परिदृश्य, दीनदयाल और संस्कृतिझदर्शन, हिंदी पत्रकारिता, प्रकृति और जीवन-दर्शन, तथा राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतन जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।इस दिन 100 से अधिक शोधकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिससे सम्मेलन एक विशाल अकादमिक मंच के रूप में उभरा।

SINCE 1949 — ललकार
वर्ष 76 | अंक 47 | आवृत्ति : साप्ताहिक | चित्तौड़गढ़, मंगलवार, 25 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2025 | (जयपुर और चित्तौड़गढ़ से प्रकाशित) | मूल्य : ₹10 | पृष्ठ: 4

भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में गूँजी दीनदयाल के एकात्म मानववाद की अनुगूंज

विज्ञान भवन में विश्व हिंदी परिषद का दो-दिवसीय वैश्विक आयोजन संपन्न

ललकार

नई दिल्ली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्व हिंदी परिषद और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा विज्ञान भवन में राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक- पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषयक दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य समापन हुआ। देश-विदेश से आए विद्वानों, भाषाविदों, दार्शनिकों, प्रशासकों, पत्रकारों एवं शोधार्थियों ने एकात्म मानववाद और राष्ट्रवादी दर्शन के विविध आयामों पर गहन मंथन किया।

सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता, निवर्तमान केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र 'टेनी' तथा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मभूषण आचार्य यर्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने परिषद की गतिविधियों और आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्रद्धेय मोहन भागवत का संदेश भी पढ़ा गया।

लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को अपना मार्गदर्शक मानकर कार्य कर रही है। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने उन्हें राजनीतिज्ञ से अधिक दार्शनिक बताते हुए मातृभाषाओं के सम्मान और भारतीय भाषा विभाग की स्थापना का उल्लेख किया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यर्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद ने कहा, दीनदयाल उपाध्याय वह प्रकाशस्तंभ हैं जो बताते हैं कि राष्ट्र और मानवता एक-दूसरे के पूरक हैं।

सम्मेलन के दूसरे दिन आठ तकनीकी सत्रों में एकात्म मानववाद, हिंदी का वैश्विक परिदृश्य, संस्कृति-दर्शन, हिंदी पत्रकारिता, प्रकृति और जीवन-दर्शन, तथा राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतन पर सारगर्भित विचार-विमर्श हुआ। 100 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिससे सम्मेलन एक व्यापक अकादमिक मंच के रूप में उभरा।

विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ राजनेता के. सी. त्यागी, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र एवं श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय के हिंदी सलाहकार डॉ. वी. एस. चौहान शामिल रहे। दुर्गाशंकर मिश्र ने भाषाई सम्मान को दीनदयाल जी की मूल प्रेरणा बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 इसी विचार पर आधारित है। रेखा शर्मा ने कहा कि भाषा हृदयों को जोड़ती है और हिंदी आज वैश्विक सेतु का कार्य कर रही है। के. सी. त्यागी ने भारतीय भाषाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

विदेशी प्रतिनिधियों—इथोपिया दूतावास के गेब्रू टेकले, सूरीनाम की उच्चायुक्त सुनैना मोहन तथा ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान और चीन से आए विशेषज्ञों—ने भारत से सांस्कृतिक संबंधों और हिंदी के बढ़ते वैश्विक प्रभाव की सराहना की। सूरीनाम की उच्चायुक्त ने कहा कि उनके देश में आज भी हिंदी, भोजपुरी, भारतीय भोजन और भक्ति परंपराएँ जीवित हैं।

अंतिम सत्र में हिंदी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर कार्य करने वाले अनेक विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं संस्थाओं को विश्व हिंदी परिषद द्वारा सम्मानित किया गया।

दो दिवसीय यह आयोजन केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि भारतीय दार्शनिक परंपरा, सांस्कृतिक चेतना, भाषाई स्वाभिमान और मानवतावादी मूल्यों का एक विराट उत्सव सिद्ध हुआ। प्रतिभागियों ने एकात्म मानववाद को आधुनिक विश्व के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बताते हुए हिंदी को वैश्विक विमर्श की प्रमुख भाषा बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

Hindi reflects India's growing confidence on the global stage: LG Kavinder

NL CORRESPONDENT

New Delhi, Nov 21: Lieutenant Governor of Ladakh, Kavinder Gupta, underscored the growing influence of Hindi on the global stage, calling it a powerful expression of India's cultural confidence and civilizational identity. He was speaking at the inaugural session of the two-day International Conference on "Pandit Deendayal Upadhyaya: Symbol of Nationalism and Humanity" at Vigyan Bhawan.

Organised by the Vishwa Hindi Parishad in collaboration with the Indian Council of Philosophical Research (ICPR), the conference marked the 110th birth anniversary of Pandit Deendayal Upadhyaya and brought together scholars, academicians, linguists and intellectuals from India and abroad.

The Lt Governor said that Hindi's expanding presence in academia and international platforms reflects India's growing global stature. He emphasized that promoting Hindi is vital for strengthening national unity and safeguarding India's cultural heritage. He added that young Indians' rising preference for Hindi for communication and professional engagement shows renewed cultural pride.

Shri Kavinder Gupta noted that Ladakh's linguistic diversity—Bhoti, Urdu, Hindi and other local dialects—contributes significantly to India's cultural richness. He reaffirmed the UT Administration's commitment to strengthening language, culture and education across the region.

He praised Prime Minister Narendra Modi's efforts in elevating the global profile of Hindi through his speeches at international forums like the United Nations. Gupta said that Hindi serves as an emotional and cultural thread binding India, in line with Pandit Deendayal Upadhyaya's philosophy of Ekatma Manav Darshan (Integral Humanism).

The conference began with the ceremonial lighting of the lamp by the Lt Governor, former MoS Home Ajay Kumar Mishra 'Teni', and ICPR Member Secretary Prof. Sachchidanand Mishra. The event also featured book releases, the screening of the documentary "Nalanda University: A Glimpse", and the felicitation of writers, journalists and scholars.

Pre-session speakers included Dr. Maheshchandra Sharma, Dr. Shivshakti Nath Bakshi, Joint Secretary (Economic Affairs) Baldev Purusharth, and Prof. Hemchandra Jain, who discussed themes of nationalism, cultural renaissance and India's civilizational legacy.

हिंदी ग्लोबल स्टेज पर भारत के बढ़ते कॉन्फिडेंस को दिखाती है: एलजी कविंदर गुप्ता

कहा कि हिंदी को बढ़ावा देना देश की एकता और भारत की विरासत को बचाने के लिए ज़रूरी है

लद्दाख सरकार की भाषा, कल्चर और एजुकेशन को मज़बूत करने की कमिटमेंट को दोहराया

विज्ञान भवन में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय- राष्ट्रवाद और मानवता के प्रतीक' पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए

जम्मू परिवर्तन ब्यूरो

नई दिल्ली। देश और दुनिया भर में हिंदी की बढ़ती अहमियत पर ज़ोर देते हुए, लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि हिंदी आज सिर्फ़ बातचीत का ज़रिया ही नहीं, बल्कि भारत की कल्चरल, इमोशनल और सभ्यता की पहचान की एक मज़बूत वाहक है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग इलाकों में हिंदी की बड़े पैमाने पर स्वीकार्यता, इसकी बढ़ती एकेडमिक पहुंच, और इंटरनेशनल फोरम में इसका बढ़ता इस्तेमाल भारत के बढ़ते कॉन्फिडेंस और कल्चरल वापसी को दिखाता है।

लेफ्टिनेंट गवर्नर 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय- राष्ट्रवाद और मानवता के प्रतीक' पर दो दिन के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सेशन को संबोधित कर रहे थे। यह कॉन्फ्रेंस विश्व हिंदी परिषद और इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च (ICPR), नई दिल्ली ने मिलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के मौके पर आयोजित की थी।

विज्ञान भवन में हुए इस बड़े कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के जाने-माने विद्वान, भाषाविद, एडमिनिस्ट्रेटर, शिक्षाविद और हस्तियां इकट्ठा हुईं, जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, दर्शन और योगदान पर अपने विचार रखे।

इस इवेंट का औपचारिक उद्घाटन मुख्य मेहमानों—लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री कविंदर गुप्ता, पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा 'टेनी', और ICPR के मेंबर सेक्रेटरी प्रो. सच्चिदानंद मिश्रा ने पारंपरिक दीप जलाकर किया।

इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने और भारत की हमेशा रहने वाली विरासत को बचाने के लिए हिंदी को बढ़ावा देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि हिंदी, अपनी गहरी साहित्यिक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के साथ, पूरे देश में अलग-अलग समुदायों को एक करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि युवा भारतीयों में हिंदी सीखने, बोलने और काम करने की बढ़ती इच्छा भारत की सभ्यता के मूल्यों पर नए गर्व को दिखाती है।

श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि केंद्र की मौजूदा सरकार मानवता की सेवा करने और राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन (इंटीग्रल ह्यूमैनिज्म) की गाइडिंग फिलॉसफी को फॉलो कर रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हिंदी सिर्फ़ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत को जोड़ने वाला इमोशनल, सांस्कृतिक और सभ्यता का धागा है। उन्होंने हिंदी को दुनिया भर में बढ़ावा देने और भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के लिए विश्व हिंदी परिषद की कोशिशों की तारीफ़ की।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने लद्दाख के युवाओं में हिंदी के लिए बढ़ते उत्साह पर ज़ोर दिया, और कहा कि लद्दाख की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता - भोटी, उर्दू, हिंदी और स्थानीय बोलियाँ हूं भारत की सभ्यता की विरासत में समृद्धि जोड़ती हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में भाषा, संस्कृति और शिक्षा को मजबूत करने वाली पहलों को बढ़ावा देने के लिए UT एडमिनिस्ट्रेशन के कमिटमेंट को फिर से कन्फर्म किया।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने हिंदी को दुनिया भर में ज़बरदस्त पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशंस और दूसरे इंटरनेशनल फोरम पर हिंदी में दिए गए प्रधानमंत्री के भाषणों ने दुनिया भर में भारत की सॉफ्ट पावर और कल्चरल डिप्लोमेसी को बढ़ाया है।

अपनी आखिरी बात में, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने युवाओं से इनोवेशन और ग्लोबल मौकों को अपनाते हुए भारत की भाषा, कल्चर और मूल्यों से जुड़े रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत की कल्चरल और भाषाई विरासत, खासकर हिंदी, भारत की सॉफ्ट पावर और ग्लोबल लीडरशिप का एक अहम हिस्सा है।

लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने एक मतलब वाली और गहरी समझ वाली कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए विश्व हिंदी परिषद को बधाई दी और सभी जानकारों, रिसर्चर्स और हिस्सा लेने वालों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

कॉन्फ्रेंस में कई किताबों का विमोचन और डॉक्यूमेंट्री 'नालंदा यूनिवर्सिटी- ए ग्लिम्प्स' की स्क्रीनिंग भी शामिल थी। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने साहित्यकारों, पत्रकारों और लेखकों को भी सम्मानित किया।

इससे पहले, शुरुआती सेशन में, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, डॉ. शिवशक्ति नाथ बख्शी, जॉइंट सेक्रेटरी (इकोनॉमिक अफेयर्स) बलदेव पुरुषार्थ, और प्रो. हेमचंद्र जैन ने राष्ट्रवाद, सबको साथ लेकर चलने, कल्चरल रेनेसां और भारत की सभ्यता की कहानी को फिर से बताने की ज़रूरत पर अपनी जानकारी दी।

अजय कुमार मिश्रा 'टेनी', प्रो. सच्चिदानंद मिश्रा और पद्म श्री, पद्म भूषण आचार्य लक्ष्मी प्रसाद यार्लागड्डा, प्रेसिडेंट, विश्व हिंदी परिषद ने भी लोगों को संबोधित किया।

विश्व हिंदी परिषद के नेशनल जनरल सेक्रेटरी डॉ. विपिन कुमार ने परिषद की रिपोर्ट और इंस्टीट्यूशनल ओवरव्यू पेश किया।

कॉन्फ्रेंस कन्वीनर प्रो. रामनारायण पटेल ने सेशन के थीमैटिक फ्रेमवर्क के बारे में बताया।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय त्याग — ज़िद सच लिखने की | प्रदेश | हाथरस, बुधवार 26 नवम्बर 2025 | 2

भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में गूँजी पंडित दीनदयाल की एकात्म मानववाद की अनुगूंज

विज्ञान भवन में विश्व हिंदी परिषद का दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

देवकली मन्दिर में विधिविधान से पूजन कर फिल्म 'द औरैया फाईल्स' मूवी का हुआ शुभारम्भ दो सैकड़ा कलाकार हुये शामिल

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव बैनल ने एस.आई.आर में गहन

सहकार ग्लोबल के कर्मचारियों के वाहनों में तोड़फोड़

दैनिक सवेरा टाइम्स — जम्मू
IV जम्मू, शनिवार, 22 नवम्बर 2025
www.dainiksaveratimes.com

संवेदना क्लब की एंटी-ड्रग क्रिकेट लीग जोरदार शुरुआत के साथ शुरू हुई

गणमान्यों को सम्मानित करते हुए केशव चोपड़ा व खिलाड़ियों से भेंट करते हुए गणमान्य। रूपेश राज

सवेरा न्यूज/नवीन कौल

कोशिश करने की जरूरत है और

हिंदी वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाती है: एलजी कविंदर गुप्ता

दीप प्रजविलत करते और उपिस्थति को संबोधित करते उपराज्यपाल।

सवेरा न्यज/कमल कुंडल

जम्मू,21 नवंबरः राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर हिंदी की बढ़ती प्रमुखता पर प्रकाश डालते हुए लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि हिंदी आज न केवल संचार के साधन के रूप में बल्कि भारत की सांस्कृतिक, भावनात्मक और एक शिक्तशाली वाहक के रूप में खड़ी है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की व्यापक स्वीकार्यता, इसके बढ़ते शैक्षणकि पदचिह्न और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका बढ़ता उपयोग भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को दर्शाता है।

उपराज्यपाल 110वीं वर्षगांठ के अवसर पर विश्व हिंदी परिषद और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर), नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्यायः राष्ट्रवाद और मानवता का प्रतीक विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। विज्ञान भवन में आयोजित भव्य सम्मेलन में भारत और विदेश के प्रतिष्ठित विद्वान, भाषाविद्, प्रशासक, शिक्षाविद और हिस्तयां शामिल हुईं, जिन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, दर्शन और योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्र म का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथियों-लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता, पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी और आईसीपीआर सदस्य सचिव प्रो. सिच्चदानंद मिश्रा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और भारत की कालातीत विरासत को संरिक्षत करने के लिए हिंदी को बढ़ावा देना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हिंदी, अपनी गहरी जड़ें जमा चुकी साहित्यिक परंपरा और सांस्कृतिक अनुगूंज के साथ, पूरे देश में विविध समुदायों को एकजुट करने की क्षमता रखती है।

कवींद्र गुप्ता ने कहा कि केंद्र की वर्तमान सरकार मानवता की सेवा और राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन (एकात्म मानववाद) के मार्गदर्शक दर्शन का पालन कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत धागा है जो भारत को बांधता है।

उपराज्यपाल ने लद्दाख के युवाओं के बीच हिंदी के प्रति बढ़ते उत्साह पर प्रकाश डाला और कहा कि लद्दाख की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता-भोटी, उर्दू, हिंदी और स्थानीय बोलियाँ-भारत की सभ्यतागत विरासत में समृद्धि जोड़ती हैं। उपराज्यपाल ने हिंदी को अभूतपूर्व वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रधानमंत्री के हिंदी में भाषणों ने दुनिया भर में भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति को बढ़ावा दिया है।

व्हाइट कॉलर आतंकवाद देश के लिए खतरे की घंटी: पवन खजूरिया

सवेरा न्यूज/कलोत्रा

उधमपुर, 21 नवंबर: पवन खजूरिया के नेतृत्व में उधमपुर पूर्वी विधानसभा की बैठक का आयोजन

अभी भी जीना दुश्वार है इसकी ओर भी प्रशासन गंभीरता से विचार करे और जल्द से जल्द उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करे। इस अवसर

एक मिशन के तहत विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में भारत को विश्वगुरु बनाने पर विशेष ध्यान : डॉ जितेंद्र सिंह

पं.दीनदयाल उपाध्याय पर केंद्रित आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

दस्तक प्रभात प्रतिनिधि

दिल्ली।पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के सुअवसर पर राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक : पं. दीनदयाल उपाध्याय विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। वे भारत के उन महान विभूतियों में से एक हैं, जिनका दर्शन आज भी समाज और राष्ट्र के बीच समरसता का प्रतीक है। पं. दीनदयाल जी का वैचारिक संसार अत्यंत व्यापक और समग्रता को लिए हुए है। वे न केवल एक राजनीतिज्ञ थे वरन एक चिंतक, दार्शनिक, विचारक और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने भारत के सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य को एक नया आयाम दिया। जैसा कि हम जानते हैं कि पं. दीनदयाल जी की जयंती को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उनके जीवन और दर्शन को सम्मानित करने का भी दिन है।'अंत्योदय', यानी समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान' यही उनके जीवन का मूल उद्देश्य रहा। पं.दीनदयाल उपाध्याय ने अपने जीवन में इसी उद्देश्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी यह सोच आज भी भारतीय राजनीति, समाज और संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में कवि विक्रमादित्य सिंह, अध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद, ओड़िशा प्रदेश, कवयित्री रितु महिपाल, संयोजक एवं कवि आशीष कुमार विद्यार्थी को "विश्व हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।कवि विक्रमादित्य ने आगे बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में ओड़िशा प्रदेश से 30 से अधिक साहित्यकार एवं कवि -कवयित्री ने भाग लिया वहीं देश के 28 राज्यों एवं 15 देशों के साहित्यकार, काव्य आत्माएं अपने पावन-पुण्य निधियों के साथ उपस्थित थे और अपने अपने साहित्य साधना से दिलों में देवतुल्य स्थापित हो रहे थे। निःसंदेह भारतीय साहित्यिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाने वाला ऐतिहासिक पल था। विभिन्न कार्यक्रम जैसे सुंदर व्याख्यान, आलेख, प्रपत्र एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में जब कवि एवं कवयित्रियों ने प्रेम-श्रृंगार, विरह पर गजल, शेरों-शायरी एवं देश भक्ति पर जब अपनी भावनाएं प्रस्तुति की तो दिल्ली के विज्ञान भवन के सभागार में उपस्थित श्रोताओं ने करतल ध्वनि से स्वागत एवं अभिवादन किया।

सोशल मीडिया पर की माननीय अतिथियों ने अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन की प्रशंसा

नेतृत्व एवं मार्गदर्शन

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का सफल आयोजन पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्र जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस सम्मेलन में देश-विदेश के हजारों लोगों ने प्रतिभागी के तौर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 'राष्ट्रीयता और मानवता के प्रतीक: पं. दीनदयाल उपाध्याय' विषय पर आयोजित किया गया था। सम्मेलन में पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन, कृतित्व, राष्ट्रीय चेतना एवं हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति और आधुनिकता पर विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में देश-विदेश के जाने-माने विद्वानों ने अपने विचार रखे। सम्मेलन का उद्घाटन लद्दाख़ के माननीय उप राज्यपाल श्री कविंद्र गुप्ता जी ने किया। सम्मेलन में विभिन्न देशों के हिंदी प्रेमियों ने भी भाग लिया। यह सम्मेलन हिंदी भाषा के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन था। इस सम्मेलन ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली की ओर से पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्र जी को हार्दिक बधाई।

श्री अजय कुमार मिश्र, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं संरक्षक, विश्व हिंदी परिषद

"दीनदयाल जी का दर्शन हमें सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों और प्रणालियों से नहीं होता, बल्कि मनुष्य के चरित्र, करुणा और कर्तव्यबोध से होता है। उनका विचार 'एकात्म मानववाद' हमें यह समझाता है कि समाज का विकास तब पूर्ण होता है जब अंतिम व्यक्ति भी सम्मान और अवसर प्राप्त करता है। दीनदयाल जी के विचारों में राष्ट्रीयता और मानवता एक ही धारा के दो स्वरूप हैं। उनकी सोच केवल राजनीतिक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा है। उनके अनुसार, राष्ट्र तभी जीवंत बनता है जब उसके नागरिक मूल्यों, सद्भाव और दायित्वबोध से जुड़ते हैं। आज के समय में उनकी शिक्षाएँ और भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि तेज़ी से बदलते विश्व में मानवीय संवेदना का महत्व पहले से अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और आत्मा का परिचय है। हिंदी भाषा, उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त और सुगम माध्यम बनी हुई है। हिंदी न केवल अभिव्यक्ति का आधार है, बल्कि हमारी भारतीय पहचान की जीवंत धारा भी है। दीनदयाल जी की विचारधारा और हिंदी भाषा मिलकर हमारे राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने का कार्य कर रही हैं।"

--- डॉ. विपिन कुमार, राष्ट्रीय महासचिव- विश्व हिंदी परिषद एवं सम्मेलन संयोजक

अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2025 का शानदार समापन

विश्व हिंदी परिषद

बी-2/1बी, सफदरजंग एन्क्लेव अफ़्रीका एवेन्यू रोड, सर्विस लेन, महिंद्रा शोरूम के पास, नई दिल्ली - 110029

8586016348 vishwahindiparishadoffice@gmail.com www.vishwahindiparishad.in